PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

संज्ञा

- संज्ञा का शाब्दिक अर्थ 'नाम' होता है। प्रत्येक वस्तु का कोई न कोई नाम जरूर होता है।
- परिभाषा- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव, गुण एवं अवस्था के नाम को संज्ञा कहते हैं, अर्थात् किसी के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द उसके लिए संज्ञा का कार्य करता है।
- संज्ञा एक विकारी शब्द है अर्थात इसमें लिंग, वचन एवं कारक के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

संज्ञा के भेद/प्रकार-

- संज्ञा के भेद को लेकर व्याकरण के ज्ञाता एकमत नहीं हैं। किन्तु अधिकांश वैयाकरण संज्ञा के पाँच भेद मानते हैं, जो संज्ञा के तीन भेद मानते हैं वे द्रव्यवाचक एवं समूहवाचक शब्दों को जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत रखते हैं।

  इस प्रकार संज्ञा के पाँच भेद हैं।

  (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

  (2) जातिवाचक संज्ञा

  (3) भाववाचक संज्ञा

  (4) द्रव्यवाचक संज्ञा

  (5) समूहवाचक संज्ञा

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

- ऐसे संज्ञा शब्द जो किसी एक व्यक्ति, वस्तु एवं स्थान का बोध कराते हैं, व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

  जैसे-

  प्रिया (व्यक्ति), पंकज(व्यक्ति) भारत (देश), उत्तर (दिशा), भारतीय (राष्ट्रीय जाति), लैपटाप (वस्तु), गंगा (नदी), हिन्द महासागर (समुद्र), रामचरित मानस (पुस्तक), देवनागरी (लिपि), होली, दीपावली (त्योहार) आदि।
- उपर्युक्त सभी शब्द किसी एक का ही बोध करा रहे हैं इसीलिए इन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा के अन्तर्गत रखा जाता है।
- नोट- कोई व्यक्ति एवं वस्तु तभी तक व्यक्तिवाचक संज्ञा रहता है जब तक किसी एक व्यक्ति एवं वस्तु का बोध कराता है
- यदि इनका प्रयोग एक से अधिक के लिए किया गया हो तो ये शब्द समूहवाचक संज्ञा का बोध कराने लगते हैं।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

- ध्यान दें- दिशाओं के नाम, देशों के नाम (भारत, पाकिस्तान आदि), समुद्रों के नाम (काला सागर, भूमध्यसागर आदि), पुस्तकों एवं समाचार पत्रों के नाम (रामायण, दैनिक जागरण आदि), पर्वतों के नाम (हिमालय, काकाकोरम आदि), दिनों महीनों के नाम (सोमवार, जनवरी), ऐतिहासिक युद्धों एवं राष्ट्रीय घटनाओं के नाम (बक्सर का युद्ध, भारत छोड़ो आंदोलन, नमक सत्याग्रह) आदि व्यक्तिवाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।

(2) जातिवाचक संज्ञा-

- जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

  जैसे-

  लड़का, वकील, नदी, मनुष्य, कुत्ता, गाय, गाँव, बकरी, नगर, पर्वत, सुन्दर, गरीब, पहाड़, घर, लड़की, पशु, पक्षी, मंत्री, प्रोफेसर, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, ठग, जुलाहा, तूफान, पुस्तक, ज्वालामुखी, वर्षा, कुर्सी, भूकंप आदि।
- उपर्युक्त सभी संज्ञा शब्द सम्पूर्ण जाति का बोध करा रहे हैं
- ध्यान दें- प्रशासनिक एवं राजनीतिक पदों के नाम, व्यवसायों के नाम, पशु-पक्षियों के नाम, वस्तुओं के नाम, प्राकृतिक आपदाओं एवं तत्वों के नाम, मनुष्य जाति के लिए प्रयुक्त नाम आदि जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत आते हैं।

(3) भाववाचक संज्ञा-

- जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्ति या वस्तु के गुण, धर्म, दशा (भाव) आदि का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण एवं अव्यय में प्रत्यय जोड़कर किया जाता है।

  जैसे-

  बुढ़ापा, मोटापा, बचपन, मिठास, लम्बाई, क्रोध, शौर्य, चौड़ाई, गर्मी, ठण्डी, धार्मिक, धैर्य, निजत्व, ममत्व (ममता), बंधुत्व, सामीप्य, शाबाशी, नैकट्य, चतुराई, अपनापन (अपनाव), मनुष्यता, पांडित्य, मित्रता, मूर्खता, घबराहट, फिसलन आदि।

(4) समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा-

- जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्ति एवं वस्तु के समूह या समुदाय का बोध होता है, उसे समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

  जैसे-

  कुंज, सभा, परिषद्, कक्षा, सेना, मंत्रिपरिषद, मंत्रिमण्डल, पुस्तकालय, भीड़, दल, गिरोह, पुंज (प्रकाशपुंज), ढ़ेर, मंडल, घौंद (केले का घौंद), गुच्छा (अंगूर का गुच्छा)।

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

(5) द्रव्यवाचक संज्ञा-

- जिस संज्ञा शब्द से किसी धातु या द्रव्य का बोध होता है, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। सामान्यतः द्रव्यवाचक संज्ञा के अन्तर्गत माप-तौल वाली वस्तुएँ आती हैं।

  जैसे-

  सोना, चाँदी, लोहा, पीतल, तेल, पानी, दूध, गेहूँ, चावल, कोयला, घी, तेजाब, पेट्रोल, डीजल आदि।

व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के भेद

व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के तीन भेद होते हैं।

(i) रुढ़ संज्ञा-

- जिन शब्दों के सार्थक खण्ड न किए जा सके अर्थात् जिन शब्दों के खण्ड कोई सार्थक (निश्चित) अर्थ न प्रकट करते हो उन्हें रुढ़ संज्ञा कहते हैं।

  जैसे-

  कमल, नाक, आज, कल, पर आदि।

  यदि 'कमल' शब्द के खण्ड क, म, ल के रूप में कर दिए जाए तो इनका कोई सार्थक अर्थ नहीं निकलता अतः 'कमल' रुढ़ शब्द है।

(ii) यौगिक संज्ञा-

- ऐसे शब्द जो दो सार्थक शब्दों से बने हो या ऐसे शब्द जिनके खण्ड सार्थक (निश्चित अर्थ प्रकट करने वाले) हो, उन्हें यौगिक संज्ञा कहते हैं।

  जैसे-

  विद्या + आलय - विद्यालय

  पुस्तक + आलय - पुस्तकालय

  हिम + आलय - हिमलाय

  घुड़ + सवार - घुड़सवार

(iii) योगरुढ़ संज्ञा-

- ऐसे शब्द जो यौगिक तो होते हैं, किन्तु अपने सामान्य अर्थ को न प्रकट करके किसी अन्य को संदर्भित करे, उन्हें योगरुढ़ संज्ञा कहते हैं।

  जैसे-

  पंक(कीचड़) + ज(जन्म लेने वाला) - पंकज (अर्थात कमल)

  लम्बा + उदर(पेट) - लम्बोदर (अर्थात गणेश)

  चक्र + पाणि(धारण) - चक्रपाणि (अर्थात विष्णु)

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

सर्वनाम

- सर्वनाम दो शब्दों 'सर्व+नाम' से मिलकर बना है जिसमें 'सर्व' का अर्थ है- सबका अर्थात् सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ है सबका नाम। सर्वनाम एक विकारी शब्द है,
- सर्वनाम का प्रयोग किसी विशेष व्यक्ति के लिए नहीं किया जाता बल्कि संज्ञा शब्दों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किया जाता है।
- परिभाषा- जो शब्द पूर्वा पर संबंध से किसी भी संज्ञा के बदले आता है, उसे सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वाक्य में करने से वाक्य का अर्थ नहीं बदलता है, बल्कि वही अर्थ बना रहता है।

जैसे-

मैं, तुम, आप, यह, वह आदि सर्वनाम शब्द हैं।

हिन्दी में कुल/मूल सर्वनाम की संख्या 11 है- मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कौन, क्या, कोई, कुछ

सर्वनाम के 6 भेद होते हैं।

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम-

- जो सर्वनाम शब्द वक्ता, श्रोता अथवा किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद/प्रकार होते हैं-

(1) उत्तम पुरुष- मैं, हम (मुझे, मैंने, मेरा, मुझको, हमको, हमें आदि)

(2) मध्यम पुरुष- तू, तुम, आप (तुझे, तुझको, आपको, आपके आदि)

(3) अन्य पुरुष- यह, वह, ये, वे (उन, उनको, उन्हें, इन्हें, उसके, इसने आदि)

(1) उत्तम पुरुष- वक्ता या लेखक जिन शब्दों का प्रयोग स्वयं अपने लिए करता है, उन्हें उत्तम पुरुष कहते हैं।

जैसे-

मैं, हम लेकिन सर्वनाम में कारकों की विभक्तियाँ लगाने से इनके रूप में परिवर्तन (विकृति) हो जाता है और 'मै' और 'हम' के अलावा भी कई शब्दों का निर्माण हो जाता है, जो कि उत्तम पुरुष के अन्तर्गत ही आते हैं।

जैसे-

मैं, हम, मुझे, मेरा, मुझको, मैंने, हमें, हमको आदि।

(1) मैं बनारस जा रहा हूँ।

(2) हम शादी में जा रहे हैं।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

(2) मध्यम पुरुष- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाला (वक्ता या लेखक), सुनने वाले (पाठक या श्रोता) के लिए करता है, उन्हें मध्यम पुरुष कहते हैं।

जैसे-

तू, तुम, आप। लेकिन सर्वनाम में कारकों की

विभक्तियाँ लगाने से इनके रूप में परिवर्तन (विकार) हो जाता है और तू, तुम, आप के अलावा भी कई शब्दों का निर्माण हो जाता है, जो कि मध्यम पुरुष के अन्तर्गत ही आते हैं।

जैसे-

तू, तुम, आप, तुझे, तुमको, आपके, आपको आदि।

(1) तुम क्या करते हो।

(2) आपको क्या पसंद है।

(3) अन्य पुरुष- जिन सर्वनाम शब्दों का संबंध वक्ता (बोलने वाला) और श्रोता (सुनने वाला) से न होकर किसी अन्य से हो, उन्हें अन्य पुरुष कहते हैं, अर्थात् अन्य पुरुष शब्दों का प्रयोग बोलने एवं सुनने वाले के लिए न करके अन्य के लिए किया जाता है।

जैसे-

यह, वह, ये, वे आदि।

(1) यह क्या कर रहा है।

(2) वह क्रिकेट खेल रहा है

कारक की विभक्तियों से बने अन्य शब्द- उनको, उनसे, उन्हें, इन्हें, इन्होंने, उसके, इसने आदि।

(2) निश्चयवाचक (संकेतवाचक) सर्वनाम-

- ऐसे सर्वनाम शब्द जो निकट (पास) या दूर स्थित किसी व्यक्ति या वस्तु की ओर निश्चयपूर्वक संकेत करे, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे-

यह, वह।

(1) वह बहुत अच्छा लड़का है।

(2) वह अभय की गाय है।

(3) यह मकान मेरे भाई का है।

(4) यह मेरी पतंग है।

इन वाक्यों में प्रयुक्त 'यह' और 'वह' शब्द किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत कर रहे हैं। इसीलिए यहाँ निश्चयवाचक सर्वनाम है।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम-

- ऐसे सर्वनाम शब्द जिससे किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध (जानकारी) नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे-

कोई, कुछ।

(1) कोई आ रहा है।

(2) कुछ खाने को दो।

(3) कोई सज्जन आपको बुला रहे हैं।

(4) कोई आपसे मिलने आये हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कोई' और 'कुछ' सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं हो रहा है। अतः यहाँ अनिश्चयवाचक सर्वनाम है।

(4) संबंधवाचक सर्वनाम-

- ऐसे सर्वनाम शब्द जो किसी दूसरे संज्ञा या सर्वनाम से संबंध स्थापित करने के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं। संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे-

जो, सो, जैसा, वैसा, वहाँ, जिसकी, उसकी, जैसी, वैसी आदि।

(1) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

(2) जो करेगा सो भरेगा।

(3) जैसी करनी वैसी भरनी।

(4) जैसा देश वैसा भेष।

(5) जैसा काम वैसा दाम

उपर्युक्त वाक्यों में 'जिसकी', 'उसकी', 'जो', 'सो', 'जैसी', 'वैसी','जैसा', 'वैसा' आदि शब्द संबंध स्थापित करने का कार्य कर रहे हैं। अतः ये सभी शब्द संबंधवाचक सर्वनाम हैं।

(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम-

- जो सर्वनाम शब्द संज्ञा के स्थान पर तो आते ही हैं, किन्तु वाक्य को प्रश्नवाचक बनाते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं, अर्थात् जिन सर्वनाम शब्दों से किसी प्रश्न का बोध हो उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। प्रश्नवाचक सर्वनाम वाले वाक्यों के अन्त में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) लगा रहता है।

जैसे-

क्या, कौन, कैसे।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

(1) क्या आप घर भी जाएंगे?

(2) कौन खेल रहा है?

(3) यह काम कैसे होगा?

- नोट- प्रश्नवाचक वाक्यों में कौन' शब्द का प्रयोग प्राणियों के लिए एवं 'क्या' शब्द का प्रयोग अप्राणिवाचक (निर्जीव) पदार्थों के लिए किया जाता है।
- 'क्या', 'कौन', 'कैसे' शब्द वाक्य में प्रश्न पूछने का कार्य कर रहे हैं। अतः ये प्रश्नवाचक सर्वनाम है।

(6) निजवाचक सर्वनाम- (आप, अपना, अपने आप, आप ही, स्वयं, निज, खुद)

- ऐसे सार्वनामिक शब्द जिनका प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं या ऐसे सार्वनामिक शब्द जो तीनों पुरुषों (उत्तम, मध्यम एवं अन्य) में निजता का बोध कराते हो, वे सभी निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे-

(1) मैं यह काम स्वयं कर लूँगा

(2) मैंने अपना कार्य समाप्त कर लिया।

(3) मैं अपने आप चला जाऊँगा।

(4) मैं अपने भाई के साथ रहता हूँ।

(5) मैं आप ही खा लूँगा।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090